514

MASA-05

June - Examination 2019

M.A. (Final) Sanskrit Examination

गद्य तथा काव्य

Paper - MASA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : **निर्देश :**सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) बाण का समय क्या है तथा यह किस सम्राट के सभा पंडित थे?

(ii) कादम्बरी कितने भागों में विभक्त है?

(iii) बाणभट्ट ने अपनी किस रचना में अपने वंश का वर्णन किया है?

(iv) 'शिशुपाल वध महाकाव्य के कथानक का आधार कौन–कौन से ग्रन्थ हैं?

(v) माघकाव्य किन विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है?

(vi) माघकाव्य मुख्य रूप से किस रीति में लिखा गया है?

(vii) विक्रमांकदेवचरितम् में किस वंश के राजाओं का वर्णन है?

(viii) अधिकतर स्तोत्र काव्यों का मुख्य छन्द कौन सा है?

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या हिंदी में कीजिए।

''देव! विदितसकलशास्त्रार्थः, राजनीतिप्रयोगकुशलः, पुराणेतिहासकथालापनिपुणः, वेदिता गीतश्रुतीनाम्, काव्यनाटकाख्यायिका-ख्यानकप्रभृतिनामपरमितानां सुभाषितानामध्येता स्वयञ्च कर्त्ता, परिहासालापपेशलः, वीणा–वेणु–मुरजप्रभृतीनां वाद्यविशेषणामसमः श्रोता, नृत्यप्रयोगदर्शननिपुणः, चित्रकर्म्मणि प्रवीणः, द्यूतव्यापारे प्रगल्भः, चित्रकर्म्मणि प्रवीणः, द्यूतव्यापारे प्रगल्भः, प्रणयकलह–कुपित–कामिनी–प्रसादनोपायचतुरः, गज–तुरग–पुरुष–स्त्री–लक्षणाभिज्ञः सकलभूतल–रत्नभूतोऽयं वैशम्पायनो नाम शुकः। सर्वरत्नानाञ्च उदधिरिव देवो भाजनमिति कृत्वैनमादायास्मत्स्वामिदुहिता देवपादमूलमायाता, तदयमात्मीयः क्रियतामित्युक्त्वा नरपतेः पुरो निधाय पञ्जरमसावपससार।

अथवा

एकस्मिन – जीर्णकोटरे जायया सह निवसत: पश्चिमे वयसि वर्तमानस्य कथमपि पितुरहमेवैको विधिवशात् सूनुरभवम्। अति प्रबलतयाचाभिभूता ममैव जायमानस्य प्रसववेदनयाजननी मे लोकान्तरमगमत्। अभिमतजायाविनाशशोकदु:खितोऽपि खलु तात सुतस्नेहादभ्यन्तरे निगृह्य पटुप्रसरमपि शोकमेकाकी सत्संवर्धनपर एवाभवत्। अतिपरिणतवयाश्च कुशचीरानुकारिणीमल्पावशिष्टजीर्ण – पिच्छजाल – जर्जराम – अवस्रस्तां सदेश शिथिलाम् अपगतोत्पतनसंस्कारां पक्षसन्ततिम– उद्वहन, उपारूढकम्पतया सन्तापकारिणी – मङ्गलग्नां जरामिव विधुन्वन – अकठोर – शेफालिकाकुसुमनाल – पिञ्जरेण कलम – मञ्जरी – दलन – मसृणित – क्षीणोपान्त्य – लेखेन स्फुटिताग्रकोटिना चञ्चुपुटेन परनीडपतिताभ्य: शालिवल्लरीभ्यस्तण्डुलकणानादायादाय वृक्षमूल निपतितानि च शुककुलावदलितानि फलशकलानि समाहृत्य परिभ्रमितुमशक्तो मह्यमदात्। प्रतिदिवसमात्मना च मदुपभुक्तशेषम – अकरोदशनम्।

3) निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

नैतल्लध्वपि भूयस्या वचो वाचाऽतिशय्यते।
इन्धनौघघगप्यग्निस्त्विषानात्येति पूषणम्।।

अथवा

बृहत्सहाय: कार्यान्तंक्षोदीयानपि गच्छति।
सम्भूयांभोधिमम्येति महानद्यानगापगा।।

4) निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए।

कथासु ये लब्धरसा: कवीनां
ते नानुरज्यन्ति कथान्तेरेषु।
न ग्रन्थिपर्ण प्रणयाश्चरन्ति
कस्तूरिकागन्धमृगास्तृणेषु।

अथवा

उल्लेखलीला – घटनापटूनां
सचेतसां वैकटिकोपमानाम्।
विचारशाणोपलपट्टिकासु,
मत्सूक्तिरत्नान्यतिथीमवन्तु।

5) बाणभट्ट की भाषाशैली पर एक लेख लिखिए।

6) कादम्बरी की अलंकारयोजना पर एक लेख लिखिए।

7) 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' के आधार पर माघकाव्य की समीक्षा कीजिए।

8) 'विक्रमांकदेवचरितम्' की ऐतिहासिकता पर एक लेख लिखिए।

9) 'शिवमहिम्नः स्तोत्र' के आधार पर शिवस्वरूप का वर्णन कीजिए।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) महाकविबाणभट्ट समासबहुल गद्यशैली पर लेख लिखिए।

11) माघकाव्य की सूक्तियों पर एक लेख लिखिए।

12) 'विक्रमांकदेवचरितम्' के आधार पर बिल्हल की काव्य–शैली पर एक लेख लिखिए।

13) शिवमहिम्नः स्तोत्र की दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए।